Web: www.uttaranchaldeep.com
Email-uttaranchaldeep@gmail.com

सांध्य दैनिक
उत्तरांचल दीप
सबके हाथ सच के साथ

सूर्यास्त
उत्तराखण्ड में गुरुवार
सायं 7:12 बजे

सूर्योदय
उत्तराखण्ड में शुक्रवार
सुबह 5:17 बजे

हल्द्वानी | वर्ष 17 अंक 26 पृष्ठ 4 मूल्य 1.00 रु. | गुरुवार, 10 जुलाई 2025

कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा ?...पेज-3 पर

News कॉर्नर

वडोदरा पुल हादसा: मरने वाली की संख्या बढ़कर हुई 15, तीन अभी भी लापता

गुजरात। गुजरात के वडोदरा जिले में मंगलवार को हुए हादसे में अब तक 15 लोगों के मौत की पुष्टि हुई। बता दें कि बुधवार को वडोदरा और आंणद जिले को जोड़ने वाला महिसागर नदी पर बना गंभीरा पुल अचानक ढह गया था। गुजरात में वडोदरा और आणंद को जोड़ने वाला पुल टूटने के बाद अब तक महिसागर नदी से 15 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें से दो शव गुरुवार को नदी से निकाले गए हैं। जबकि 13 शव बुधवार को ही निकाल लिए गए थे। इस हादसे में एक ही परिवार के कई सदस्यों की जान चली गई है। अब इस हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 15 हो गया है। वडोदरा के कलेक्टर अनिल धमेलिया ने बताया कि कम से कम तीन लोग अभी भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें नदी में जीवित बचे लोगों या पीड़ितों के शवों की तलाश कर रही हैं। धमेलिया ने कहा, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें नदी में 4 किलोमीटर नीचे तक तलाशी अभियान चला रही हैं। हमारे पास उपलब्ध सूची के अनुसार, अब तक 15 शव बरामद किए जा चुके हैं।

केदारनाथ यात्रा कुछ समय के लिए रोकी गई

आफत: ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे बाधित, यमुनोत्री हाईवे अब भी बंद

रुद्रप्रयाग/चमोली
हमारे संवाददाता

ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे बाधित है। बारिश के चलते केदारनाथ यात्रा भी कुछ समय के लिए रोकी गई। वहीं यमुनोत्री हाईवे 12 दिन बाद भी नहीं खुल पाया।

ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग सिरोहबगड़ में बीती देर रात से मलबा आने के कारण बाधित है। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर बारिश के चलते सोनप्रयाग में कुछ समय के लिए यात्रियों को रोका गया। यमुनोत्री हाईवे ओजरी के पास लगातार 12वें दिन भी बंद है, जिससे यात्रियों और स्थानीय लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राजमार्ग निर्माण खंड द्वारा यहां बैली ब्रिज का निर्माण अंतिम चरण में है। ईई मनोज रावत ने बताया कि ब्रिज पर डेग प्लेट बिछाई जा रही है और दोपहर बाद इसे यातायात के लिए खोलने की संभावना है। प्रदेश में बारिश के बाद मलबा आने से 87 सड़के बंद हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक बंद सड़कों को खोलने का प्रयास किया जा रहा है। परिचालन केंद्र के मुताबिक चमोली जिले में 17, बागेश्वर में 9, अल्मोड़ा में एक, चंपावत में तीन, देहरादून में पांच, नैनीताल में सात, पौड़ी में छह, पिथौरागढ़ में 15, रुद्रप्रयाग में चार और टिहरी में आठ सड़कें बंद हैं। जबकि उत्तरकाशी जिले में एक राजमार्ग सहित 12 सड़के बंद हैं।

चार जिलों में तेज बारिश की चेतावनी

देहरादून। उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में आज (बृहस्पतिवार) भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार देहरादून समेत रुद्रप्रयाग, नैनीताल और बागेश्वर जिले के कुछ इलाकों में तेज दौर की बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। अन्य जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है।

त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

आगामी त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन हेतु नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मेडिकल कॉलेज सभागार, हल्द्वानी में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी अनामिका के नेतृत्व में दो पालियों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रथम पाली में 1047 पीठासीन अधिकारी प्रथम एवं पीठासीन अधिकारी द्वितीय तथा द्वितीय पाली में 27 जोनल मजिस्ट्रेट, 77 सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं 36 रिज़र्व मजिस्ट्रेटों को प्रशिक्षण दिया गया। अपने संबोधन में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी, अनामिका, ने प्रशिक्षणार्थियों को मतगणना प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की और कहा कि निर्वाचन जैसे संवेदनशील कार्य में तटस्थता, पारदर्शिता और समयबद्धता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्मिकों से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का पूर्ण पालन करें और निर्वाचन कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में कोई गलती या कोताही क्षम्य नहीं है, इसलिए निर्वाचन में लगे सभी अधिकारी/कार्मिक अपने योगदान को सत्यनिष्ठा एवं ईमानदारी के साथ अंजाम दें। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर, एच.बी. चंद, ने सभी प्रशिक्षुओं को अवगत कराया गया कि मतदाताओं को अलग-अलग मतपत्रों की पहचान कराने तथा मतपत्रों की गणना की सुविधा के लिए मतपत्र अलग-अलग रंगों में रहेंगे। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत सदस्य के लिए सफेद मतपत्र, प्रधान के लिए हरा, क्षेत्र पंचायत सदस्य के लिए नीला तथा जिला पंचायत सदस्य के लिए गुलाबी मतपत्रों के रंगों का आवंटन आयोग द्वारा किया गया है, जिससे मतदाताओं को सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं जैसे आदर्श आचार संहिता, मतदान दिवस की कार्यवाही, बैलेट बॉक्स का संचालन, मतदान केंद्रों की व्यवस्थाएं, आपातकालीन स्थितियों में कार्रवाई तथा मतगणना प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि मतदान के दिवस यदि कोई भी शंका हो, तो उसका समाधान किया जाएगा। मास्टर ट्रेनर द्वारा बारीकी से मतदान दिवस के संबंध में विस्तार से बताया गया और शंकाओं का समाधान किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी विवेक राय, जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी गोस्वामी सहित जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट, पीठासीन अधिकारी उपस्थित रहे।

रुद्रपुर पुलिस ने 4-88 ग्राम स्मैक के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया

रुद्रपुर
हमारे संवाददाता

कोतवाली पुलिस की नशे के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी कार्रवाई के तहत पुलिस ने एक नशा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लगभग 4-88 ग्राम शुद्ध स्मैक बरामद की है। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी। बुधवार रात को चौकी प्रभारी रम्पुरा प्रदीप कुमार अपने साथ एएसआई नवीन जोशी, कांस्टेबल गणेश धानिक वाहनों चेकिंग और संदिग्धों पर नजर रखने को निकले थे। इस दौरान पुलिस रामपुर रोड से होकर इंदिरा चौक की ओर लौट रही थी। तभी सेल टैक्स कार्यालय के पास एक संदिग्ध दिखाई दिया। पुलिस नजदीक पहुंची तो वह घबरा गया और तेजी से निर्माणाधीन मंडी की ओर बढ़ने लगा। पुलिस ने उस पर संदेह हुआ और उसे घेराबंदी कर मौके पर ही पकड़ लिया। पुलिस पूछताछ में वह टालमटोल करने लगा।तलाशी ली गई तो उसकी पैंट की जेब से एक प्लास्टिक की पन्नी में लिपटी हुई 4-88 ग्राम स्मैक, एक मोबाइल फोन, 120 रूपये नगद और पहचान पत्र भी मिले। उसने अपना नाम राजू सिंह पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी गुरुद्वारा वाली गली, वार्ड नंबर 2, लालपुर किच्छा बताया। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह पैसे के लालच में स्मैक बेचने का काम कर रहा था।पुलिस को देखकर डर के मारे भागने की कोशिश कर रहा था। एसएसआई नवीन बुधानी ने बताया कि पुलिस उसे जेल भेजने की कार्रवाई कर रही है। विवेचना बगवाड़ा चौकी प्रभारी सुरेंद्र सिंह रिंगवाल को सौंपी गई है।

सुबह-सुबह देश के तीन राज्यों में भूकंप के तेज झटके

यूपी। हरियाणा के झज्जर में आज सुबह 9.04 बजे भारतीय समयानुसार रिक्टर पैमाने पर 4.4 तीव्रता का भूकंप आया। दिल्ली-एनसीआर, यूपी में भी तेज़ झटके महसूस किए गए। देश के तीन राज्यों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। गुरुवार को सुबह-सुबह तेज भूकंप आने से दहशत फैल गई। लोग अपने घरों और ऑफिस से बाहर निकल आए। भूकंप के झटके राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के कई जिलों में महसूस किए गए हैं। हरियाणा के झज्जर में भूकंप का केंद्र था। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई है।

पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जप्लेट्स टूटने लगती हैं। डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है।

नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया हुई संपन्न

नैनीताल
हमारे संवाददाता

पर्यटक नगरी नैनीताल के जिले जिला पंचायत चुनाव की प्रक्रिया अब तेज हो गई है। नैनीताल जिले में कुल 27 सीटों पर जिला पंचायत के चुनाव कराए जाएंगे। नामांकन पत्रों की विधिवत जांच प्रक्रिया बुधवार तक संपन्न हो गई है। जांच के बाद अब प्रत्याशी नाम वापसी और प्रतीक चिन्हों के आवंटन की प्रक्रिया में शामिल होंगे। साथ ही चुनावी सरगर्मियां भी तेज हो गई हैं, और प्रत्याशी प्रचार में जुट गए हैं।

निर्वाचन अधिकारी डॉ. डीसी जोशी ने जानकारी देते हुए बताया कि 2 जुलाई से 5 जुलाई तक नामांकन पत्रों का वितरण किया गया, जबकि 7 जुलाई से 9 जुलाई तक नामांकन पत्रों की जांच की गई। जांच के दौरान एक नामांकन पत्र को अस्वीकृत कर दिया गया, जबकि कुल 140 नामांकन पत्र वैध पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि नाम वापसी की तिथि 10 और 11 जुलाई निर्धारित की गई है। इसके बाद 14 और 18 जुलाई को निर्वाचन प्रतीक चिन्हों का आवंटन किया जाएगा। जिला पंचायत चुनाव दो चरणों में संपन्न होंगे। इस बीच एक अहम मामला भी सामने आया है। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया के नामांकन पर उनकी प्रतिद्वंदी उमा ने आपत्ति दर्ज कराई थी। लेकिन बेला तोलिया की ओर से इसका विधिवत जवाब पेश किया गया, जिसके आधार पर उनका नामांकन वैध घोषित किया गया। यह जानकारी निर्वाचन अधिकारी डॉ. डीसी जोशी ने दी।

सात सूत्रीय मांगों को लेकर भोजनमाताओं का प्रदर्शन

नैनीताल

हमारे संवाददाता

प्रगतिशील भोजनमाता संगठन की नैनीताल शाखा की अध्यक्ष तुलसी देवी ने बताया की 7सूत्रीय मांगो को लेकर बुधवार को कमिश्नर के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा गया है। कहा की भोजनमाताएं बीते 20 वर्षों से स्कूलों में मध्याहन भोजन योजना के तहत विद्यालयों में भोजन बनाने का काम रही हैं अब मात्र तीन हजार रुपये प्रति माह मानदेय मिलता है। इसके अतिरिक्त भोजनमाताओं को न तो 12 माह का मानदेय दिया जाता है और न ही उनको कोई छुट्टी मिलती है। पेंशन, ईएसआई तथा पीएफ व प्रसूति अवकाश जैसी कोई सुविधा भी भोजनमाता को नहीं दी जाती। शिक्षा सचिव द्वारा केन्द्र को भेजे गये भोजनमाताओं के मानेदय 5 हजार00 रुपये करने संबंधी प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाये। भोजनमाताओं को न्यूनतम वेतन लागू किया जाएं तथा भोजनमाताओं को पूरे वर्ष भर का मानदेय तथा स्थायी करने की माँग व बच्चे कम होने की स्थिति में या विद्यालयों के विलयीकरण की स्थिति में भोजनमाताओं को विद्यालय से न निकाला जाएं। इस दौरान राधा, दीपा, हेमा, अनीता, सरिता, लक्ष्मी, हंसी, हेमा डालाकोटी, विमला, शालनी, विद्या, सकीना, शबीना, पुष्पा व नंदी आदि कई भोजनमाताएं मौजूद रही।

कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा

नैनीताल

हमारे संवाददाता

प्रगतिशील भोजनमाता संगठन उत्तराखण्ड नैनीताल इकाई ने मल्लीताल में धरना प्रदर्शन कर जमकर नारेबाजी की नारेवाजी करते हुए माल रोड होते कमिश्नरी पहुंचे जहं मुख्यमंत्री सचिव/कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा।

प्रगतिशील भोजनमाता संगठन उत्तराखण्ड नैनीताल की अध्यक्ष तुलसी देवी ने बताया की 07 सूत्रीय मांगो को लेकर आज कमिश्नर को ज्ञापन दिया जा रहा। कहा की भोजनमाताए 19-20 वर्षों से माध्याहन भोजन योजना के तहत विद्यालयों में भोजन बनाने का काम रही हैं अब मात्र तीन हजार रुपये प्रति माह मानदेय मिलता है। इसके अतिरिक्त भोजनमाताओं को न तो 12 माह का मानदेय दिया जाता है और न ही उनको कोई छुट्टी मिलती है। पेंशन, ईएसआई,पीएफ प्रसूति अवकाश जैसी कोई सुविधा भी भोजनमाता को नहीं दी जाती. शिक्षा सचिव द्वारा केन्द्र को भेजे गये भोजनमाताओं के मानेदय 5000 रुपये करने सम्बन्धी प्रस्ताव को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाये। भोजनमाताओं को न्यूनतम वेतन लागू किया जाएं,भोजनमाताओं को 12 माह का मानेदय, स्थायी करने की माँग, बच्चे कम होने की स्थिति में या विद्यालयों के विलयीकरण की स्थिति में भोजनमाताओं को विद्यालय से न निकाला जाएं। इस दौरान राधा, दीपा, हेमा, अनीता, सरिता लक्ष्मी, हंसी, हेमा डालाकोटी मॉडल , विमला, सालनी, विद्या, सकीना, सविना, पुष्पा, नंदी, समुद्री रहे।

लैण्डफ्रॉड करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही को व्यापक प्रचार के दिए निर्देश

नैनीताल

हमारे संवाददाता

गत माह कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत की अध्यक्षता में संपन्न लैण्ड फ्रॉड समन्वय समिति की बैठक जिसमें अधिकांश प्रकरण ऐसे थे जिनमें भूमि के एक बार विक्रय होने के पश्चात उसे पुन: विक्रय किया गया है अथवा क्रेता के पक्ष में जिस खसरा नबंर का बैनामा किया जा रहा है उसे उक्त खसरा पर कबजा न देकर अन्य खसरा नंबर पर कबजा दिया जा रहा है। इसी प्रकार खाते में क्रेता का अंश समाप्त होने के पश्चात भी उसके द्वारा अपने अंश से अधिक भूमि को विक्रय किया जा रहा है। जिसके कारण भूमि के विवादों की संख्या बढ़ रही है और लोग भी ठगे जा रहे हैं।

उक्त लैण्ड फ्रॉड पर अंकुश लगाने के दृष्टिगत समिति द्वारा बैठक में निर्णय लिया गया कि जो भी क्रेता भूमि क्रय कर रहा है वह भूमि क्रय करने से पूर्व संबंधित तहसील में एक आवेदन प्रस्तुत करें कि वह क्रय की जाने वाली भूमि को तस्दीक करवाना चाहता है,जिससे पता चल सकेगा कि क्रय की जाने वाली भूमि की वर्तमान प्रास्थिति क्या है।

उक्त संबंध में आयुक्त कुमाऊं मंडल दीपक रावत द्वारा लैण्ड फ्रॉड समन्वय समिति के उक्त निर्णय का अनुपालन करवाने हेतु मंडल के समस्त जिलाधिकारियों को पत्र प्रेषित कर कार्यवाही के निर्देश देते हुए आम जनमानस को भी समिति के उक्त निर्णय की जानकारी हेतु व्यापक प्रचार प्रसार करने को कहा है ताकि लैण्डफ्रॉड के मामले रुक सके और लैण्डफ्रॉड करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही की जा सके।

हरेला महोत्सव एवं एक पेड़ मां के नाम के तहत पौधरोपण किया

नैनीताल

हमारे संवाददाता

कुमाऊं विवि के कुल सचिव डा.मंगल सिंह मंद्रवाल ने कहा कि पृथ्वी को हम सबसे महत्वपूर्ण उपहार देना चाहें तो वह पौधे से सिवाय और कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि धरा को हरा भरा रखने के लिए हम सबको पौधरोपण करना चाहिए, यह हम सबकी नैतिक जिमेदारी भी होनी चाहिए।

डा.मंद्रवाल ने यह विचार बुधवार को कुमाऊं विवि के प्रशासनिक भवन परिसर में हरेला महोत्सव एवं एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत पौधरोपण करने के बाद कही। इससे पूर्व डॉ. मंद्रवाल ने देवदार, पद्म,गुड़हल सहित कई पौधे को रोपित किया। बता दें कि विजिटिंग प्रोफेसर निदेशक व इम्नू व एलुमनी सेल व वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी ने किया । प्रो.तिवारी ने कहा कि हरेला पर्व हमें प्रकृति से जोड़ता है। कहा कि देवदार तथा पद्म धार्मिक तथा सांस्कृतिक पौधे हैं तो जिनको लिविंग फॉसिल के साथ औषधीय पौधा भी है । इस महत्पूर्ण कार्यक्रम को वर्षा के मध्य प्रशासनिक भवन में आयोजित किया गया। सभी पौधे फा रैस्ट डिप्टेटमेंट के अरविंद कुमार द्वारा मुहैया कराए गए। पौधारोपण में संजय पंत अभियंता, प्रकाश पांडे, कुंदन सिंह,ललित तथा कुलदीप शामिल रहे।

NEWS / फटाफट

369वें दिन भी जारी रहा पौधरोपण आंदोलन

नैनीताल । संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आवाहन पर नियमितीकरण नियमावली कट ऑफ डेट 2025 को जारी करने को लेकर किया जा रहा राज्य में अनूठा पौधरोपण आंदोलन बुधवार को 369वें दिन भी जारी रहा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी के नेतृत्व में पर्यटकों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोड़ने के तहत स्लोगन देवभूमि में पर्यटक बनकर आईए पौधारोपण कर पर्यावरण मित्र बनकर जाइए के तहत बुधवार को उनके नेतृत्व में पलेटा स्थित धूसाखान शिव मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया वहीं पूर्व में लगाए गए पौधों का संरक्षण किया गया । गुरुरानी ने कहा कि उनका पौधारोपण आंदोलन जारी रहेगा।

बाइक सवारों ने युवक पर पिस्टल से हमला कर मोबाइल समेत अन्य सामान लूटा,गंभीर चोटें

रुद्रपुर। थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने एक युवक की तहरीर पर तीन बाईक सवार के खिलाफ पिस्टल से हमला करने के मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी। हमलावरों पर पर्स समेत अन्य सामान छीन कर ले जाने का भी आरोप है। अनिल कुमार पुत्र जयपाल हाल निवासी आवास विकास थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में कहा कि वह मे किराये पर रहता है और 7 जुलाई 2025 की रात 1:20 बजे आशोक लिलैण्ड कंपनी से काम कर वापस आ रहा था। गायत्री पार्क के सामने मे अपने रुम का ताला खोल ही रहा था। तभी पीछे से तीन बाईक सवार आये और उससे कुछ पता पूछने लगे । मना करने पर फोन मांगने लगे। पीड़ित के मुताबिक उसने फोन निकालकर गेट के सामने फेक दिया। आरोप है कि बाद में उस पर पिस्टल से मेरे सिर पर कई से बार हमला किया। जिससे सिर पर गहरी चोट आयी।? उसके गहरी चोट आयी। पिस्टर को सीने में रखकर फोन का पासवर्ड भी पूँछ लिया। इसके साथ ही पर्स, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड भी छीन कर ले गए। बताया कि उसके यूपीआई एसी में लगभग 6 से 7 हजार रुपये थे।

नोट

समाचार पत्र में छपे लेख, पत्र व अन्य कालमों में लेखकों के विचार होते हैं, उनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
-संपादक

पूर्व प्रधान संपादक:
स्व. वेदप्रकाश गुप्ता
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
श्रीमती आदेश अग्रवाल द्वारा
उत्तरांचल दीप प्रेस
चंद्रकाता हाउस, नैनीताल रोड
हल्द्वानी से मुद्रित एवं प्रकाशित
संपादक- श्रीमती आदेश अग्रवाल
प्रबंध संपादक- साकेत अग्रवाल
दूरभाष : 05946-224556
फैक्स:05946-283801
e-mail: Uttaranchaldeep@gmail.com
www.dainikuttaranchaldeep.com
आरएनआई नं. UTTHIN/ 2009/ 32558
समस्त विवाद हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होंगे।
संस्थापक: स्व. मुन्ना बाबू राजपूत

20 वर्षों के बाद बन रहा गुरु पूर्णिमा पर विशेष संयोग

नैनीताल

हमारे संवाददाता

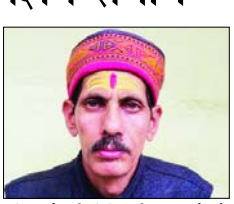

नैनीताल के समीपवर्ती गेठिया गांव निवासी आचार्य पंडित प्रकाश चंद्र जोशी के मुताबिक 20 वर्षों के बाद गुरुवार (आज) गुरु पूर्णिमा पर विशेष संयोग बन रहा है।

आचार्य जोशी ने बताया कि इससे पूर्व 21 जुलाई 2005 दिन गुरुवार को ऐसा संयोग बना था। इस बार भी 10 जुलाई 2025 दिन गुरुवार को गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया जाएगा। पूर्णिमा व्रत भी इसी दिन रखा जायेगा। कहा कि गुरु का स्थान भगवान से भी बड़ा माना जाता है। गुरु पूर्णिमा के शाबदिक अर्थ से ही पता लगता है कि आज के दिन गुरुजनों का आदर और सममान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। बताया कि जहां तक गुरु पूर्णिमा के शुभ मुहूर्त की बात है तो इस बार गुरु पूर्णिमा पर्व 100 जुलाई 2025 दिन गुरुवार को मनाया जाएगा। इस दिन यदि पूर्णमासी तिथि की बात करें तो अगले दिन प्रात: 2.07 बजे तक पूर्णिमा तिथि रहेगी। यदि नक्षत्र की बात करें तो इस दिन पूर्वाषाढ़ा नामक नक्षत्र अहो रात्रि तक रहेगा। इस दिन ऐंद्र नामक योग रात्रि 9.37 बजे तक है। विष्टि नामकरण अपराह्न 1.55 बजे तक है। सबसे महत्वपूर्ण यदि इस दिन के चंद्रमा की स्थिति को जानें तो इस दिन चंद्र देव पूर्ण रूपेण धनु राशि में विराजमान रहेंगे। कुंडली में यदि गुरु दोष है तो बृहस्पति मंत्र ? ब्रं बृहस्पतऐ नम: मंत्र का जप अपनी श्रद्धा के अनुसार 11/21/51 तथा 108 बार गुरु पूर्णिमा के दिन अवश्य करना चाहिए।

आशा हेल्थ वर्कस यूनियन ने राज्य दर्जे की मांग को लेकर गांधी पार्क मे प्रदर्शन किया

रुद्रपुर

हमारे संवाददाता

राष्ट्रव्यापी हड़ताल के तहत अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक्टू से सम्बद्ध आशा हेल्थ वर्कस यूनियन ने गांधी पार्क में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर सभा आयोजित की।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि केन्द्र सरकार लगातार आशा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रही है। हमारी न्यायोचित मांगों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं को न्यूनतम वेतन 35 हजार रूपये दिया जाये। क्योंकि कार्यकर्ताओं से नियमित कार्य के अतिरिक्त सरकार द्वारा अन्य कार्य भी करवाये जाते हैं। जिसका कोई भत्ता नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने वर्ष 2021 में खटीमा में आशाओं को 11500 रूपये मानदेय देने का वादा किया था जो आज तक पूरा नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि आशाओं को सरकारी कर्मचारी का दर्जा देकर वह सभी सुविधायें दी जायें जो हर सरकारी कर्मचारी को दी जा रही हैं। केन्द्र सरकार द्वारा जो चार नये श्रम कानून बनायें गये हैं पूरी तरह से कर्मचारी विरोधी हैं जिन्हें तत्काल वापस लिया जाये।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों का हमेशा पुरजोर विरोध किया जाता रहेगा। यदि सरकार ने हमारी मांगों को स्वीकार नहीं किया तो आन्दोलन को और तेज किया जायेगा। इस दौरान शशि बाला, सरोज,नीमा जोशी, लक्ष्मी रावत, सुनीता रानी,नीलम,रामेश्वरी, सुमन, निशा, पूनम, अन्नू, सरिता, मीनाक्षी, वंदना, प्रीति, सायरीन, कमला, रूपवती, हंसी देवी, सतपाल कौर, आशा, सुषमा, खिमली देवी आदि शामिल रही।

अभिमत

सोच की कमी

नितिन गडकरी की कार्यशैली अन्य नेताओं से हटकर है और सच स्वीकार करने में परहेज नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि योजनाओं के लिए फंड की कोई समस्या नहीं है, लेकिन नौकरशाही में लचीलेपन और सोच की कमी है। अफसरों का लोक से हटकर नहीं सोचना चिंता का विषय है। नितिन गडकरी ने कहा कि वह हमेशा एक लाख करोड़ अथवा 50 हजार करोड़ की योजनाओं की बात करते हैं। असली चिंता धन की कमी को लेकर नहीं, काम की धीमी गति को लेकर है।

शासन और प्रशासन से ही योजनाएं सफल हो सकती हैं। चुनाव प्रचार के दौरान नेता वायदे करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। सत्ता में आने पर मंत्री दावे करते हैं। दावे खोखले साबित होते हैं। योजनाओं का लाभ जनमानस तक नहीं पहुंच पाता है। विपक्षी नेता सरकार पर आरोप लगाते हैं और मंत्री बेबुनियाद बताकर पल्ला झाड़ लेते हैं। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी की कार्यशैली अन्य नेताओं से हटकर है और सच स्वीकार करने में परहेज नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि योजनाओं के लिए फंड की कोई समस्या नहीं है, लेकिन नौकरशाही में लचीलेपन और सोच की कमी है। अफसरों का लोक से हटकर नहीं सोचना चिंता का विषय है। नितिन गडकरी ने कहा कि वह हमेशा एक लाख करोड़ अथवा 50 हजार करोड़ की योजनाओं की बात करते हैं। असली चिंता धन की कमी को लेकर नहीं, काम की धीमी गति को लेकर है। दरअसल नितिन गडकरी सड़क परिवहन मंत्री हैं। ऐट लेन, सिक्स लेन, फोर लेन रोड बनवा कर पूरे देश की तस्वीर बदल दी है। नितिन गडकरी ने पिछले 11 साल में जितनी सड़कें बनवाई हैं, उतनी कई दशकों में नहीं बनी थीं। नितिन गडकरी किसी भी योजना को शुरू करने से पहले पूरा करने की समय सीमा निर्धारित कर देते हैं और कई बार समय से पहले पूरा करके दिखाते हैं। नौकरशाही नितिन गडकरी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने में परेशानी महसूस कर रही है। नितिन गडकरी से पहले वाले मंत्री योजना का शिलान्यास करने के बाद भूल जाते थे। अनेक योजनाएं अधूरी रह जाती थीं। नौकरशाही फंड की कमी बताकर धन की बंदरबांट कर लेती थी। अधूरी योजना को पुनः शुरू करने पर योजना की लागत बढ़ जाती थी। उस समय फंड की कमी का बहाना मिल जाता था। उत्तराखंड में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत जब मुख्यमंत्री थे, तब सच स्वीकार करने का साहस जुटाकर कहा था कि उनके द्वारा बनाई गई योजनाएं फाइलों में जलेबी की तरह घुमा दी जाती हैं। जब जलेबी का सिरा मिलेगा तब धरातल पर उतरेंगी। एक तरह से हरीश रावत ने नौकरशाही के सामने आत्मसमर्पण करके अपने को निर्दोष साबित करने की कोशिश की थी। नितिन गडकरी ने नौकरशाही से समझौता नहीं किया। नितिन गडकरी का यह कहना कि वह एक लाख करोड़ की योजना के बारे में सोचते हैं। दरअसल बड़ी योजना को पूरा करना चुनौती होती है। यदि योजना निर्धारित समय पर पूरी नहीं हुई तो लागत बढ़ेगी और धन की कमी आड़े आयेगी।

बारिश को लेकर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश

नैनीताल

हमारे संवाददाता

जिलाधिकारी वंदना सिंह ने मानसून की बारिश में नैनीताल के तल्लीताल व मल्लीताल क्षेत्र में जलभराव व नालों से झील में कचरा आने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागीय अधिकारियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों व विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त बैठक करते हुए समस्या के समाधान आदि के सबंध में चर्चा करते हुए विभागों को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जलभराव की समस्या के तात्कालिक व दीर्घकालिक समाधान पर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी वंदना सिंह ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका रोहिता शर्मा को निर्देश देते हुए कहा कि सोमवार से नगर पालिका के सफ ई निरीक्षक के नेतृत्व में अगले एक पखवाड़े तक हर दिन 15 वार्डों में वृहद सफाई अभियान चलाया जाए जिसकी मॉनिटरिंग हेतु उप जिलाधिकारी नैनीताल के नेतृत्व में एक टीम रहेगी। उन्होंने कहा कि इस टीम में सिंचाई विभाग, जल संस्थान, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी भी

शामिल रहेंगे। उन्होंने संबंधित क्षेत्र के पालिका सभासदों से अपील की कि वह अपने क्षेत्र में ऐसे बिंदु बताएंगें जहां से जल निकासी में बाधा आ रही है ताकि उसे ठीक किया जा सके।

उन्होंने कहा कि टीम अतिक्रमण को भी चिन्हित करेगी। नाले-नालियों का ड्रोन, जीपीएस सर्वे भी किया जाएगा तथा रेड मार्किंग भी की जाएगी। मौके पर ही मलबा या गाद से चोक नालियों को खोला जाएगा। इस हेतु हर वार्ड वार अभियान का कलेंडर भी तैयार कर लिया गया है। वाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है।

जिलाधिकारी ने कहा कि इस अभियान में लापरवाही पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जिन घरों की छतों का पानी सीधे सीवर लाइन में जोड़ा गया है ऐसे आवासीय भवन मालिकों व होटल संचालकों के चालान किए जाय। उन्होंने नगर पालिका को डस्टबिनों से रोज कूड़ा उठाने व नालों में कूड़ा फेंकने वालों के चालान करने के निर्देश दिए। बैठक में उप जिलाधिकारी नवाजिश खलिक, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका रोहिताश शर्मा, लोनिवि के अधिशासी अभियंता रवेश सकसेना, सिंचाई के सहायक अभियंता डीडी सती, व्यापार मंडल तल्लीताल के अध्यक्ष मारुति नंदन साह, मल्लीताल व्यापार मंडल अध्यक्ष किशन सिंह नेगी, उपाध्यक्ष रईस खान, पालिका सभासद मुकेश जोशी, गीता उप्रेती, मनोज साह जगाती तथा पूरन सिंह बिष्ट आदि मौजूद रहे।

नैनीझील का जलस्तर 80.2 फीट पहुंचा

नैनीताल में बुधवार को दिनभर में हुई बारिश से जन जीवन प्रभावित रहा,मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक दिनभर में 52.2 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गयी जबकि अधिकतम तापमान 26 व न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। बारिश की वजह से जीवनदायिनी नैनीझील का जलस्तर 80.2 फीट पहुंच गया है। बता दें कि बुधवार को नगर में मानसून सुबह से सक्रिय रहा, कभी तेज तो हल्की बारिश का क्रम पूरे दिन जारी रहा। तेज बारिश के दौरान लोगों को जहां तहां ठिठकने को मजबूर किया तो ऊंची चोटियों की सैर पर गए सैलानियों की खूब फजीहत हो गई। इस बीच नाले उफनते रहे और कूड़े के ढेर नैनी झील में समाने का क्रम पूरे दिन जारी रहा। तल्लीताल बोट स्टैंड के समीप मार्ग में जलभराव हो गया और लोगों को आने जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ा। बारिश में स्कूली बच्चों की फजीहत हुई जबकि रोजमर्रा के कार्य बाधित हुए।

सूचना

सूचित किया जाता है कि घर से सितारगंज बाजार जाते समय मेरे पास रखे दो बैनामे गंगा देवी पत्नी श्री वेदराम जिसमें खसरा संख्या 5/1/2 मि0 एवं रकबा 92.93 हेक्टेयर दर्ज है और दूसरा बैनामा अनीता कुमारी पत्नी श्री राजकुमार, जिसमें खसरा संख्या 5/1/2 मि0 तथा रकबा 92.93 हेक्टेयर है। उक्त दोनों बैनामे संभवत: सितारगंज बाजार क्षेत्र में कहीं गिरकर गुम हो गए हैं। जो काफी खोजने के बाद भी नहीं मिले हैं। अंचल पत्नी श्री राज ओम निवासी वार्ड नं0-06 सितारगंज जनपद ऊधम सिंह नगर

नोट- इसके बारे में यदि किसी बैंक/ संस्था आदि को आपत्ति हो या किसी को मिले तो 7 दिन के अंदर नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें।

-एडवोकेट मनोज सिंह बिष्ट मो.-9412128233, हॉल नं. 6, टॉप फ्लोर दुर्गा सिटी सेंटर नैनीताल रोड हल्द्वानी। (उत्तराखंड)-263139

पालिका की टीम ने करीब डेढ़ पीकप कूड़ा निकाला

नैनीताल

हमारे संवाददाता

नगरपालिका नैनीताल की टीम ने बुधवार को नैनीझील से भारी मात्रा में कूड़ा निकाला। तेज बारिश के चलते नालों के रास्ते झील में भारी मात्रा में कूड़ा और प्लास्टिक समा गया था। पालिका की टीम ने करीब डेढ़ पीकप कूड़ा निकाला।

पालिका के सीएसआई सुनीत कुमार ने बताया कि बारिश के कारण नालों के जरिए काफी कूड़ा नैनी झील में समा रहा है जिसे पालिका की टीम नियमित रूप से साफ कर रही है। टीम में अनिल कटियार, मनीष, विनोद, मोहित व प्रमोद आदि पर्यावरण मित्र शामिल रहे।

नगर में गत दिवस हुई भारी बारिश से कूड़े कचरे के ढेर जीवनयायिनी नैनी झील में समा गए जिसे लेकर बुधवार को रेहड़ी पटरी हॉकर्स एसोसिएशन से जुड़े खोखा फड़ कारोबारियों ने नैनी झील सफ ाई में विशेष सफाई अभियान चलाया और

प्लास्टिक की खाली बोतलों समेत कूड़े कचरे के ढेर झील से बाहर निकाले।

मामले में एसोसिएशन के अध्यक्ष जमीर अहमद ने कहा कि नगर के प्रति फ ड़ खोखा कारोबारियों की नैतिक जिमेदारी है जिसे ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बुधवार को स्वच्छता अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा। स्वच्छता अभियान में पर उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र कुमार, समीर खान, संजय कुमार, समीर अहमद, सादाब, बबली, ललित, साहिद, विजय, मंजू बोरा, लीला व नगीना व अशोक कुमार समेत अन्य फड़ कारोबारी शामिल रहे।

फिल्मी दुनिया

कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा? खुद प्रभास के पास नहीं था जवाब

प्रभास, राणा दग्गुबाती और अनुष्का शेट्टी की फिल्म बाहुबली को आज रिलीज हुए पूरे 10 साल हो गए हैं। 10 जुलाई 2015 को जब मशहूर साउथ डायरेक्टर एस एस राजामौली की 'बाहुबली- द बिगिनिंग' सिनेमाघरों में रिलीज हुई, तो किसी ने नहीं सोचा था कि ये सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि इंडियन सिनेमा में एक नई क्रांति लाने वाली फिल्म बनने जा रही है। इस फिल्म के रिलीज होने के बाद इसने जबरदस्त कलेक्शन किया था। आज जब इस फिल्म को रिलीज हुए 10 साल पूरे हो गए हैं, तो आइए जानते हैं इससे जुड़े कुछ दिलचस्प, हैरान कर देने वाले और मजेदार किस्से। फिल्म के सबसे चर्चित सवाल कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा? ने दर्शकों को दो साल तक बेचैन रखा था। लेकिन हैरानी की बात ये है कि फिल्म की शूटिंग के वक्त खुद कटप्पा का किरदार निभा रहे सत्यराज और प्रभास को भी इसका जवाब नहीं बताया गया था। राजामौली ने खुद ये राज छुपाकर रखा ताकि इसकी गोपनीयता बनी रहे और दर्शकों में उत्सुकता बनी रहे। एक आम अभिनेता साल में दो-तीन फिल्में करता है, लेकिन बाहुबली के लिए प्रभास ने अपने करियर का बहुत बड़ा रिस्क लिया। उन्होंने पूरे 5 साल तक कोई दूसरी फिल्म नहीं की और खुद को पूरी तरह इस किरदार में झोंक दिया। उन्होंने फिजिकल ट्रेनिंग, मार्शल आर्ट्स और तलवारबाजी में खुद को निखारा, ताकि वो बाहुबली जैसे योद्धा को पूरी तरह से जी सकें।

राणा दग्गुबाती एक आंख से देख नहीं सकते

बाहुबली में भल्लालदेव का किरदार निभाने वाले राणा दग्गुबाती असल जिंदगी में एक आंख से देख नहीं सकते। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि वो जन्म से ही एक आंख से अंधे हैं, लेकिन उन्होंने कभी इसे अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। उनकी मेहनत और समर्पण इस किरदार में साफ झलकती है। फिल्म के फाइटिंग सीन्स की वास्तविकता बनाए रखने के लिए कलाकारों ने असली धातु से बने भारी कवच पहने।

ससुर और उसके दोस्त पर महिला से दुष्कर्म का प्रयास

हल्द्वानी

हमारे संवाददाता

एक महिला ने अपने ससुर और उसके मित्र पर घर में जबरन घुसकर दुष्कर्म का प्रयास करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि घटना 5 जुलाई की दोपहर लगभग 2:30 बजे की है। जब वह अपने घर पहुंची तो देखा कि उसके ससुर राजाराम और उनका दोस्त मोहन घर का ताला तोड़कर अंदर घुसे हुए थे। महिला के मुताबिक, जब उसने दोनों को ललकारा तो वे बाहर नहीं आए, जिसके बाद वह घर से निकल गई। महिला का आरोप है कि जैसे ही वह सोनकर फार्म वाली गली में पहुँची, दोनों आरोपियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया। उन्होंने उसके साथ छेड़छाड़ की

मुकदमा

- **आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी**

और जबरन खेत में ले जाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। विरोध करने पर दोनों ने गला दबाकर उसे जान से मारने की कोशिश की और बुरी तरह मारपीट की। महिला किसी तरह उनके चंगुल से छूटकर बेस अस्पताल, हल्द्वानी पहुंची, जहां उसका प्राथमिक उपचार किया गया। पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस ने राजाराम और मोहन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 115(2) (हत्या का प्रयास), 351(2) व 351(3) (यौन हमला और बलात्कार का प्रयास), और धारा 75 (गंभीर मारपीट) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की जांच उपनिरीक्षक (एसआई) रेनू को सौंपी गई है।

News कॉर्नर

8.75 ग्राम स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

अल्मोड़ा। पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान एक युवक को 8.75 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ धारा- 8/21 एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर दिया है। पुलिस पूछताछ में युवक ने बताया कि वह हल्द्वानी से स्मैक बेचने लाता है। एनटीडी चौकी पुलिस और एसओजी टीम की हीराडुंगरी चौराहे के पास चेकिंग के दौरान एक युवक भागने लगा। पुलिस टीम ने पूछा तो उसने अपना नाम अक्षय सिंह (32) निवासी 52ए पूर्वी पोखरखाली हीराडुंगरी बताया। उसने बताया कि वह घूमने आया है। इस दौरान उसने जींस की जेब से एक पन्नी निकालकर बाहर फेंक दी। पुलिस टीम ने पन्नी को उठाकर देखा तो वह स्मैक निकली। उसने बताया कि वह हल्द्वानी से स्मैक लेकर आया है। यहां शाम को कुछ खरीदार आते हैं जिन्हें स्मैक बेचता है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर दिया। एसएसपी देवेंद्र पींचा ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

कसार वारियर्स और शिव शक्ति फाइनल में

अल्मोड़ा। नगर के रैमजे हीरा डूंगरी खेल मैदान में एनटीडी क्रिकेट क्लब की ओर से सेवन ए-साइड नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट जारी रहा। मंगलवार रात को सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। इसमें कसार वारियर्स और शिव शक्ति की टीम ने जीत दर्ज की।
पहला सेमीफाइनल मुकाबला शिव शक्ति और रॉयल राजपूत बी के बीच खेला गया। शिव शक्ति की टीम ने पहले खेलते हुए 10 ओवर में 61 रन बनाए। जवाब में रॉयल राजपूत बी की टीम 42 रन बनाकर आउट हो गई। शिव शक्ति ने 19 रन से मैच जीत लिया। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला कसार वारियर्स और जय मां सरस्वती के बीच खेला गया। कसार वारियर्स की टीम ने पहले खेलते हुए 10 ओवर में 77 रन बनाए। जवाब में जय मां सरस्वती की टीम 17 पर आउट हो गई।

सुरक्षा बलों ने की त्वरित कार्रवाई, दो आतंकी पकड़े एक को मार गिराया

मॉक ड्रिल में करीब 80 से 90 सुरक्षाकर्मी, दमकल वाहन, एंबुलेंस, डॉग स्क्वॉड, एटीएस और बम स्क्वॉड तथा मेडिकल टीम तैनात रही

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

कुमाऊं मंडल स्थित काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर बुधवार को एक हाई अलर्ट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमें आतंकी हमले जैसी स्थिति को वास्तविक रूप में दर्शाया गया।

इस मॉक ड्रिल के दौरान सुरक्षा बलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आतंकी को मार गिराया, जबकि दो को जिंदा पकड़ लिया गया। हालांकि यह केवल सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किया गया अभ्यास था, लेकिन इसकी सूचना अचानक मिलने के कारण स्टेशन और आसपास के क्षेत्र में कुछ देर के लिए हड़कंप मच गया। कई यात्रियों ने इसे वास्तविक

हमला समझ लिया और प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मॉक ड्रिल की शुरुआत आतंकी हमले की फर्जी सूचना से हुई, जिसके बाद जिला प्रशासन, पुलिस, रेलवे विभाग और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया गया। भारी बारिश के बीच, ATS (एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड), बम निरोधक दस्ता, एसडीआरएफ, फायर ब्रिगेड, मेडिकल टीम, डॉग स्क्वॉड और अन्य आपातकालीन इकाइयाँ तेजी से स्टेशन पर पहुंचीं।

अभ्यास के दौरान एक शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन भी स्टेशन पर मौजूद थी, जिससे यात्रियों की घबराहट और अधिक बढ़ गई। हालांकि जल्द ही मॉक ड्रिल की सच्चाई सामने आने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। इस मॉक ड्रिल में करीब 80 से 90 सुरक्षाकर्मी, दमकल वाहन, एंबुलेंस, डॉग स्क्वॉड, एटीएस और बम स्क्वॉड तथा मेडिकल टीम तैनात रही। पूरी प्रक्रिया को बेहद पेशेवर तरीके से अंजाम दिया गया, जिससे वास्तविक स्थिति में भी इसी तरह की त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

एसपी सिटी प्रकाश चंद्र ने बताया कि मॉक ड्रिल का उद्देश्य आमजन को यह समझाना था कि आपातकालीन परिस्थिति में कैसे खुद को और दूसरों को सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने बताया कि काठगोदाम रेलवे स्टेशन कुमाऊं का सबसे बड़ा स्टेशन है, जहां हर दिन भारी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं, खासतौर पर कैंची धाम जाने वाले श्रद्धालु। ऐसे में भविष्य में किसी भी आपदा या आतंकी खतरे से निपटने के लिए सुरक्षा बलों की तैयारियों को परखना जरूरी था।

नगर निगम, पशु पालन विभाग और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मीट मार्केट में निरीक्षण किया

रुद्रपुर
हमारे संवाददाता

मछली मार्केट और किच्छा बाईपास रोड खेड़ा स्थित मीट मार्केट में विभागीय टीमों के अधिकारियों के औचक निरीक्षण से मीट विक्रेताओं में हड़कंप मच गया।

कई दुकानदार दुकानें बंद कर भाग गए। इस दौरान टीम ने फूड लाइसेंस व एनओसी नहीं होने पर एक दर्जन से अधिक मीट विक्रेताओं का चालान की कार्रवाई की। बुधवार दोपहर को नगर निगम, पशु चिकित्सालय और खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने पहले नगर निगम के पास मछली मार्केट में निरीक्षण किया। इस दौरान वहां पर दुकानदारों में हड़कंप मच गया। टीम को देख कई दुकानदार दुकानें छोड़ भाग गए। इसके बाद खेड़ा स्थित मीट मार्केट पहुंची। उन्होंने दुकानों के लाईसेंस,फूड लाइसेंस एनओसी मांगी। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीयूष रंजन ने बताया

कि मीट विक्रेताओं के पास फूड लाइसेंस और नगर निगम की एनओसी नहीं मिली। कई लोगों के पास पशुपालन विभाग का भी लाइसेंस नहीं था। उन्होंने बताया कि सभी के खिलाफ चालान की कार्रवाई की गई।

इसके साथ ही संजय नगर में चार और फुलसुगी में दो मांस विक्रेताओं के खामियां मिलीं। इनके खिलाफ भी चालान की कार्रवाई की गई। उन्होंने मांस विक्रेताओं को एक सप्ताह का खामियां दूर करने का समय दिया गया है। इस दौरान पशु चिकित्सक डॉ हिमांशु पांडेय, खाद्य पूर्ति निरीक्षक आशा आर्या आदि शामिल रहे।

हड़कंप

- फूड लाइसेंस और एनओसी नहीं मिलने पर एक दर्जन से अधिक का चालान, खामियां दूर करने का एक सप्ताह का अल्टिमेटम

पिथौरागढ़ के भूपेंद्र की हत्या नहीं, हल्द्वानी के होमस्टे में की थी आत्महत्या

रुद्रपुर
हमारे संवाददाता

जनपद पिथौरागढ़ के युवक की हत्या कर लाश टांडा जंगल के फेंकने में मामले में नया मोड़ आ गया है। युवक की गला रेत कर हत्या नहीं की गई बल्कि उसने हल्द्वानी के एक होमस्टे में फंदे से लटक कर आत्महत्या की थी। होम स्टे मालिक ने इंट्री न होने और डर के चलते लाश को ठिकाने लगाने को टांडा जंगल में फेंक दिया था। पुलिस जांच में पुष्टि होने पर पुलिस ने होमस्टे मालिक से पूछताछ शुरू कर दी है। सोमवार को टांडा जंगल नैनीताल रोड पर सड़क किनारे एक युवक की लाश मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसके गले में मिले निशान से हत्या की आशंका जताते हुए जांच शुरू कर दी थी। साथ ही उसकी पहचान का प्रयास करते हुए हल्द्वानी और रुद्रपुर=पंतनगर रोड पर लगे सीसीटीवी खंगालने शुरू कर दिए थे। इसी बीच मृतक की शिनाख्त पिथौरागढ़ के थाना नाचनी मूर्ति नापड़ निवासी भूपेंद्र सिंह चुफाल पुत्र नंदन सिंह के रूप में हुई थी। मृतक की बहन हेमा बताया था कि वह दिल्ली में सेवानिवृत कर्नल के यहां एक माह से काम कर रहा था। शनिवार को घर आने के लिए वह हल्द्वानी तक के लिए दिल्ली से ट्रेन में बैठा था। यहां पहुंचने के बाद उससे संपर्क नहीं हुआ और उसका मोबाइल में बंद था। एसपी सिटी डॉ उत्तम सिंह नेगी ने बताया कि पुलिस ने हल्द्वानी रामपुर रोड पर लगे सीसीटीवी चेक किए तो एक कार रुद्रपुर की टांडा जंगल रोड की तरफ जाते हुए और वापस आते हुए दिखाई दी। पुलिस ने कार ट्रेस की तो वह हल्द्वानी के एक होम स्टे मालिक की निकली। जिस पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस पूछताछ में होमस्टे मालिक ने बताया कि मृतक भूपेंद्र सिंह ने उसके यहां कमरा लिया था। जहां उसने आत्महत्या कर ली। इसकी जानकारी उसने अपनी मां को दी तो उन्होंने कहा कि पुलिस को सोचना दे दो। लेकिन वह डर गया और होम स्टे में भी इंट्री न होने के कारण उसने लाश को फंदे से उतार कर पंतनगर थाना क्षेत्र के टांडा जंगल में फेंक दिया।जांच में मामला आत्महत्या का निकला है, होमस्टे स्वामी से पूछताछ की जा रही है।

सीएम धामी ने वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता

देहरादून
हमारे संवाददाता

वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि सरकार उनके प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जिला स्तरीय अपीलीय अधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए वरिष्ठ नागरिकों की शिकायतों का प्रभावी और संवेदनशील ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए लागू माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 को प्रभावी ढंग से अमल में लाया जाए। यह अधिनियम वरिष्ठ नागरिकों एवं माता-पिता को उनके बच्चों, बालिग पोते-पोतियों अथवा संपत्ति के उत्तराधिकारियों से भरण-पोषण की वैधानिक व्यवस्था प्रदान करता है।इस कानून को अमल में लाने के लिए राज्य में जिला स्तर पर कुल 13 अपीलीय भरण-पोषण अधिकरण एवं सब डिविजन स्तर पर 69 से अधिक भरण-पोषण अधिकरण कार्यरत हैं। जहां भरण-पोषण की राशि अधिकतम ?10,000 प्रति माह निर्धारित की जा सकती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला स्तरीय अपीलीय अधिकरण के पीठासीन अधिकारी जिला मजिस्ट्रेट हैं, इसलिए उन पर इस कानून को सख्ती से अमल में लाते हुए, वरिष्ठ नागरिकों को न्याय दिलाने की जिम्मेदारी है।

न्यूनतम वेतन के लिए आशा कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

अल्मोड़ा। केंद्रीय ट्रेड यूनियन के बैनर तले आशा कार्यकर्ताओं ने बुधवार को नगर के गांधी पार्क में प्रदर्शन किया। उन्होंने न्यूनतम वेतन, कर्मचारी का दर्जा और अन्य लंबित मांगों को लेकर शासन-प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। जल्द समाधान की मांग उठाई। गांधी पार्क में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि आशा कार्यकर्ता सालों से शहर और गांवों में जाकर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा रही हैं।

अलग-अलग जगह से किशोर किशोरी सहित युवती का गायब

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

अलग-अलग जगह से किशोर किशोरी सहित युवती का गायब होने का मामला प्रकाश में आया है तीनों के परिजनों ने पुलिस को गुमशुदगी की तहरीर सौंप कर उनकी सकुशल बरामद की गुहार लगाइ है। बेला जाली लॉज में रहने वाली नीरज पत्नी प्रताप लाल ने कोतवाली पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि उसका 13 वर्षीय पुत्र विराट कश्यप मंगलवार की रात्रि को अपने घर से बाहर गया था और वह पूरी रात घर वापस नहीं आया जिसकी काफी खोजबीन की लेकिन उसका कहीं भी पता नहीं चला।

दूसरे मामले में रामपुर रोड गली नंबर 7 निवासी श्वेता गुप्ता ने कोतवाली पुलिस को बताया कि उसकी 26 वर्षीय भांजी प्रात: दस बजे घर से ऑफिस जाने के लिए निकली थी परंतु वह अपने ऑफिस नहीं पहुंची नहीं पहुंची करीब दोपहर 2 बजे पता चला कि वह अपने दोस्त मोहित नमक के साथ गोलापुर मंदिर गई है जब उसको फोन किया तो उसका फोन बंद आया तब से ही उसकी चिंता सताने लगी। तीसरी गुमशुदगी में विक्टोरिया नंबर दो निवासी बृजेश सहने मुखानी पुलिस को सौंपी तहरीर में कहा है कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री सुबह नौ बजे दुकान से सामान लेने गई थी जब वह काफी देर तक सामान लेकर वापस घर नहीं लौटी तो पर यह उन्होंने उसकी खोज बीन भी शुरू की। बृजेश ने पुलिस को बताया कि उन्हें पड़ोस में रहने वाले कारण नामक लड़के के ऊपर शक है कि वह उनकी पुत्री को बिल्ला फैसला कर कहीं ले गया है क्योंकि कारण आए दिन उनकी पुत्री को परेशान करता था। पुलिस ने तीनों की गुमशुदगी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है

देवखड़ी नाले के वन क्षेत्र में स्थित अपस्ट्रीम भाग का संयुक्त निरीक्षण

हल्द्वानी
हमारे संवाददाता

हल्द्वानी नगर आयुक्त ऋचा सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल चौहान, उप जिलाधिकारी, राहुल शाह, सहायक अभियंता मनोज तिवारी, रेंजर फतेहपुर, यूयूएसडीए की तकनीकी टीम एवं नगर निगम के जीआईएस विश्लेषक द्वारा देवखड़ी नाले के वन क्षेत्र में स्थित अपस्ट्रीम भाग का संयुक्त निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण कल देवखड़ी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र भदयूनी में हुई भारी से अति भारी वर्षा के परिप्रेक्ष्य में किया गया। वर्षा के कारण नाले में अत्यधिक जल प्रवाह हुआ जिससे डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में जलभराव की संभावनाएं उत्पन्न हो गई थीं।

जिलाधिकारी वंदना सिंह द्वारा स्वीकृत आपदा न्यूनीकरण के तहत देवखड़ी नाले के अपस्ट्रीम क्षेत्र में कुल 13 चेक डैम का निर्माण प्रस्तावित है, जिनमें से 10 चेक डैम का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष 3 पर कार्य प्रगति पर है। निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि निर्मित चेक डैम ने डाउनस्ट्रीम में जल प्रवाह की गति को प्रभावी रूप से कम किया और बड़ी मात्रा में मलबा, बोल्डर, रेत एवं मिट्टी को रोका, जिससे शहरी क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित हुई।

वन विभाग को चेक डैम में एकत्र मलबे को शीघ्र हटाने के निर्देश दिए गए हैं। वर्तमान में दो जेसीबी मशीनें तैनात की गई हैं और स्थल पर मलबा हटाने का कार्य चल रहा है ताकि चेक डैम की प्रभावशीलता बनी रहे।

इसके अतिरिक्त, तपोवन कॉलोनी के निकट देवखड़ी नाले के चैनलाइजेशन कार्य की भी शुरुआत की गई है, जिसका उद्देश्य आसपास के बस्तियों की सुरक्षा दीवार को सुदृढ़ करना और जल प्रवाह को नियंत्रित करना है।

निरीक्षण टीम ने इन महत्वपूर्ण आपदा न्यूनीकरण संरचनाओं की समयबद्ध निगरानी एवं रखरखाव की आवश्यकता पर बल दिया, विशेषकर वर्षा ऋतु के दौरान। भविष्य में अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी इसी प्रकार की संरचनाओं के निर्माण हेतु योजना बनाई जा रही है।